

द्वार मैया के रोज तुम जाते रहो।

द्वार मैया के रोज तुम आते रहो,
काम बिगड़े सभी तेरा सुधार जाएगा।
मन से मैया को गर पुकारो कभी,
जो खजाने है खाली वो भर जाएंगे।

अम्बे मैया की भक्ति है सबसे सरल जो किसी देव देवी में पाई नहीं।
कौन ऐसा अभागा है संसार मे जो की जगदम्बे की महिमा गाई नहीं।
सोचने में समय तेरा जाता रहा,
तो सुहाने ये पल भी गुजर जाएंगे।

जिनके होठो पे अम्बे का उच्चार है।
उनके जीवन मे देखा चमत्कार है।
उनको के चरणों मे जा अब देरी न कर
वो ही दातार सच्चा मददगार है।
सबकी बिगड़ी बनाती है मैया सदा।
तेरे बिगड़ी को क्या के
वो मुकर जाएंगे।

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18784/title/dwar-maiya-ke-roj-tum-jate-raho>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |